आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड 2/अंक 4/दिसंबर 2022

अनुक्रमणिका

संपादकीय — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 261-262

शोधालेख

- हिंदी पत्रकारिता और बाजारवाद — डॉ. स्वामी राम बंजारे सरल — 263-269
- प्रेमचंद के बाल कहानियों की विश्व-दृष्टि — श्रीमती. शांति गोहाँइ — 270-278
- कमलकुमार की कहानियों में अभिव्यक्त आधुनिकताबोध — करुणालक्ष्मी.के.एस — 279-286
- आचार्य.महावीर प्रसाद द्विवेदी का अर्थशास्त्रीय चिन्तन — डॉ. रामेश्वर वरशिळ — 287-293
- “भिखारिणी” उपन्यास में स्थित मानवीय संवेदनाएँ — डॉ.अश्विनी सचिन सदावर्ते — 294-297
- गीतफ़रोश कविता की समीक्षा — विजया अमृत — 298-302
- प्रेमचन्द की रचनाओं में स्वाधीनता आंदोलन की भावना — मिन्नु जोसेफ — 303-309
- वैवाहिक कुरीतियों का यथार्थ दस्तावेज़ : ‘बेटी वियोग’ नाटक — चिप्पी एम आर — 310-315
- समाधि की हद सरहद — हिमा एम.एन — 316-324
- स्त्री जीवन के संदर्भ में ‘एक स्त्री की आत्महत्या’ उपन्यास — मीनू शिवन — 325-332
- कामायनी – चेतोविकास का दर्पण — प्रसाद एम — 333-337

कहानी

- अनोखा उपहार — आई. संतोष कुमार — 338-339

पुस्तक समीक्षा

- मुक्ता की सृजन भूमि ; समीक्षा — अनिता सिंह — 340-343

कविताएं

- माँ — अनीता.पी — 344-345
- खेल — हूबनाथ — 346-347

साक्षात्कार

- एक मुलाकात: सिम्मी हर्षिता से — डॉ. वैशाली सालियान — 348-358

****